



# बंटी और बबली

लेखक सोरित गुप्तो

बंटी को भाता है तितलियों के साथ खेलना...  
और पक्षियों के साथ भी कागज़ की नाव तैराना उसका पसंदीदा खेल है।  
उसे रेत के किले बनाने का भी बहुत शौक है।  
लेकिन खेल कर बंटी जब घर जाती है  
तो मम्मी उसे साफ़ सफाई से रहने के लिए कहती हैं।  
इस पर बंटी मना कर देती है।  
मुझे साबुन पसंद नहीं है!”  
यह कह के वो जोर से चिल्लाती है।  
एक रात उसे अजीब सपना आया।  
कीटाणुओं ने उसके किले को घेर लिया है  
और उस पर हमला कर रहे हैं।  
कीटाणु बंटी का पीछा कर रहे हैं।  
वो जान बचा के भागती है और चिल्लाती है।



**PRATHAM  
BOOKS**

A Book in Every Child's Hand



This story has been provided for free under the CC-BY  
license by [Pratham Books](http://Pratham Books). Illustrated by Sorit Gupto.





बचाओ... बचाओ।

तभी साबुनों का राजा बबली प्रकट होता है,  
वो कहता है “ डरो मत बंटी”.

“कीटाणुओं पर हमला करो”!.

साबुनों का राजा अपनी बुलबुलों की सेना को आदेश देता है।

बुलबुलों की सेना कीटाणुओं को खदेड़ देती है।

आजकल, बंटी साबुन का इस्तेमाल करने लगी,

वो अब नियम ब्रश करती है और ठीक से नहाती है।

समाप्त

Click below to follow us:



YouTube

facebook

